नरेंद्रनगर इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग में इस वर्ष से कक्षाएं

- सातवें कैंपस कालेज में चार पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित की गईं हैं 250 सीटें
- यूटीयू सबसे अधिक कैंपस कालेज बनने वाला उत्तराखंड का पहला विश्वविद्यालय

जागरण संवादाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) के सातवें कैंपस के रूप में नरेंद्रनगर इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग में इस सत्र से कक्षाएं प्रारंभ हो जाएंगी। इसके बाद यूटीयू सबसे अधिक कैंपस कालेज बनने वाला उत्तराखंड का पहला विवि बन गया है। सत्र 2024-25 में इस संस्थान में बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनयिरिंग की 60 सीटों पर प्रवेश होंगे। इसके अलावा इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग, एआइ व फूड टेक्नोलाजी में 30-30 सीटें निर्धारित की गई हैं। यह निर्णय यूटीयू की कार्यपरिषद में लिया गया है।

बीते सोमवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने नरेंद्रनगर इंटीग्रेटेड इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग में सुविधाओं को जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य समय पर पूरे करने, निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान देने के आदेश दिए। कुलपति ने बताया कि राज्य सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद संचालन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। नए सत्र को लेकर संस्थान में मौजूद वर्तमान संसाधनों की समीक्षा की गई। जिसमें इंजीनियरिंग की विधाओं में कंप्यूटर साइंस की लैब का निरीक्षण किया गया। यह संस्थान नरेंद्रनगर पालीटेक्निक कैंपस में बनाया जा रहा है। निरीक्षण के बाद कुलपति की अध्यक्षता में बैठक की गई, जिसमें नए कैंपस में बीटेक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाने का निर्णय लिया गया। भवनों का उपयोग इंजीनियरिंग कालेज और पालीटेक्निक शेयरिंग आधार पर करेंगे। पालीटेक्निक परिसर में 60 और 30 सीटों के पाठ्यक्रम वाली कक्षाएं संचालित की जाएंगी। इसके साथ ही छात्रावास व अन्य सुविधाओं को लेकर भी दोनों संस्थान एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। बैठक में यूटीयू के कुलसचिव प्रो. सत्येंद्र सिंह, वित्त नियंत्रक बिक्रम सिंह जंतवाल, प्राविधिक शिक्षा के संयुक्त निदेशक आलोक मिश्रा आदि उपस्थित रहे।